अनुभव

मैंने जो परमात्मा के बारे में पढ़ा व सुना... वो इन नज़रों से देखा

गतांक से आगे...

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि जगदीश भाई जी को बाबा से कितना अथाह प्यार रहा। जो बाबा के बिना रह नहीं सकते। फिर आगे अपना अनुभव बताते हुए कहते हैं कि

बाबा... साइलेंस लाइट, बाबा... क्या देखता हूँ बाबा आ गये हैं, बाबा आके सामने खड़े हो गए। मैंने लाइट ऑफ की नहीं थी क्योंकि मुझे नींद तो आ नहीं रही थी। लाइट ऑन ही थी। और उसमें बाबा आके खड़े हो गए, मुझे दृष्टि देने लगे। साक्षात्कार जैसे होता है, बाबा साकार में हैं लेकिन साकार में मुझे साकार भी दिखाई दे रहे हैं, लाइट के भी दिखाई दे रहे हैं। जिसको सेमी ट्रांस की आप स्टेज कह दीजिए। दोनों जैसे वो कहते हैं ना गुरु गोविन्द दोनों खड़े, काके लागू पाये। तो दोनों ही जैसे मुझे इकट्ठे दिखाई दे रहे हैं। अव्यक्त ब्रह्मा और ब्रह्मा। बाबा मुझे देख रहे हैं। मैं बाबा को देख रहा हूँ टकटकी बांध के। 'अरी आँखों बंद नहीं होना आज' ये मुझे अच्छी तरह से निहार लेने दो। जी भरकर, देखता ही जाऊं, देखता ही जाऊं। वो गीत है ना तेरी याद का अमृत पीते हैं। बार-बार यही कहता तेरी याद का अमृत पीते हैं। तो मुझे भी यही था कि देखता ही रहूं, देखता ही रहूं। दिल कहता बाबा तूझे देखता ही रहूँ। तो मैं देखता ही रहा, देखता ही रहा।

'कच्चे धागे से बंधी हुई है सरकार मेरी' जिसको कहते हैं। धागा नहीं बंधा हुआ है लेकिन मेरी सरकार तो आ गई मेरे सामने ये मैंने देख लिया।

बाबा मुझे दृष्टि देते ही रहे। मैं यहाँ होते हुए भी यहाँ नहीं था। और फिर बाबा बोले, मैं फिर बाद में थोड़ा नीचे उतरा तो सोचने लगा कि ये मैं लाइट का देख रहा हूँ या बाबा साकार में उनको देख रहा हूँ। अपने ऊपर ही सोचने लगा। बाबा को मेरा वायब्रेशन पहुंचा होगा, बाबा ने कहा बच्चे...बच्चे अब लेट जाओ, रेस्ट करो। सुबह मिलेंगे। अच्छा बाबा, लेट गया मैं। अब मैंने ये एक और अनुभव कर लिया कि योग का, याद का कनेक्शन क्या होता है। उसमें तार कोई नहीं बीच में लेकिन मैसेज पहुंचता है और वहाँ से भी मैसेज आता है। 'कच्चे धागे से बंधी हुई है सरकार मेरी' जिसको कहते हैं। धागा नहीं बंधा हुआ है लेकिन मेरी सरकार तो आ गई मेरे सामने ये मैंने देख लिया। ये सच्चा योग है और जैसे मैंने पहले बताया कि ये तो एक बहुत अपने प्रकार की कहानी है, दास्तान है उसको सुनायें तो बहुत टाइम की ज़रूरत है। उतना मैं नहीं कह पा रहा हूँ।

ये जो लकड़ी की सीढ़ी आती है, मूवमेंट लेडर, लाठी का बना हुआ है। उसपर चढ़कर हमने कई दफा बाबा को कील लगाते हुए देखा। अकेले हथौड़ी और कील लेकर ठोक रहे हैं। आशियाना बना रहे हैं। कुछ बच्चे आने वाले हैं। जगह है नहीं रहने को, उनके लिए वो बना रहे हैं लेकिन माफ कीजिए आज मैं देखता हूँ सेन्टर्स पर सम्पन्न बहनें-भाई या दूसरे जो धनाढय हैं, या और किसी तरह वाले सेवा करते होंगे, चुनी हुई सेवा करते हैं। जिसको हड्डी-हड्डी देने वाली सेवा कहते हैं वो नहीं देखने में आती। और मैंने बाबा को उस आयु में भी ये सारा कार्य करते देखा।

क्या फायदा यदि हम उन चर्चाओं को करेंगे और उससे रिज़ल्ट नहीं होगा, जीवन में कोई धारण नहीं करेंगे तो क्या फायदा! बाबा कहता है मैं चक्कर लगाता हूँ, बच्चों के कमरों में जाता हूँ देखता हूँ क्या कर रहे हैं! अरे विश्वास नहीं है, बाबा ऐसे ही कह रहे हैं! मैं वरदान देता हूँ उस टाइम। हाय-हाय तुम वरदान भी नहीं लेना चाहते! ऐसे बदनसीब हो! भगवान के घर में आके, उसके पास खाते-पीते रहते हो। उससे वरदान भी नहीं लेना चाहते, जाग भी नहीं सकते! मुरली भी नहीं सुन सकते! शिव बाबा परमधाम से आता है परमधाम से! उसकी डिसरिस्पेक्ट करते हो, इनस्ल्ट करते हो! कौन है वो, कितनी बड़ी अथॉरिटी है! अक्ल मारी तो नहीं गई। ये कितनी बदनसीबी है।

अरी आँखों बंद नहीं होना आज...

प्रयागराज-उ.प्र.। प्रयागराज माघ मेले में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, ब्रह्माकुमारीज़ धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मनोरमा दीदी, इलाहाबाद हाई कोर्ट जज श्रीमती मंजू रानी चौहान, सुषमा बहन, गंगा समग्र के कोषाध्यक्ष चिंतामणि जी तथा भाजपा जिला कोषाध्यक्ष गंगा पार आशीष केसरवानी।

मोजमाबाद-राज.। राज्य के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा के ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में आने पर उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. भावना बहन।

सोनपुर-ओडिशा। प्रदीप कुमार अमात,पंचायती राज एवं पेयजल विभाग राज्यमंत्री को असुरगढ़ महोत्सव के दौरान ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. स्नेहा बहन।

आस्का-ओडिशा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'ब्लड डोनेशन कैम्प' के दौरान उपस्थित हैं विधायक बहन मंजुला स्वैन,आस्का, डॉ. मनु मरांडी,ब्लड बैंक,एमकेसीजी,ब्रह्मपुर, गायत्री दत्त नायक,मैनेजिंग डायरेक्टर,सुगर इंडस्ट्री,आस्का तथा ब्र.कु. प्रवाती बहन।

वडोदरा-अटलादरा(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित प्रभु समर्पण समारोह में अटलादरा सेवाकेन्द्र में सेवारत 6 पवित्र कुमारियों ने माता-पिता एवं परिवार जनों की उपस्थिति में स्वेच्छा से ईश्वरीय सेवार्थ अपना जीवन परमपिता परमात्मा शिव को समर्पित करने का श्रेष्ठ संकल्प लिया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ की अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, हर हाईनेस राजमाता शुभांगिनी राजे गायकवाड़, मणिनगर,अहमदाबाद सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. नेहा दीदी, मंगलवाड़ी सबज़ोन संचालिका ब्र.कु. राज दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. हंसा दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका डॉ. ब्र.कु. अरुणा दीदी, सह संचालिका ब्र.कु. पूनम दीदी, शैलेष सोट्ठा,धारा सभ्य विधायक, पारुल बहन,केयर ग्रुप सीईओ, बिंदिया शाह,ट्यूब कंपनी, मितेश ठक्कर,जगदीश फूड प्रा.लि., डॉ. अनिल बिसेन,वीसी,आईटीएम वोकेशनल यूनिवर्सिटी सहित बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

उरई-जालौन(उ.प्र.)। इंडिया टुडे के संपादक सौरव द्विवेदी,लल्लनटॉप को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीना दीदी। इस मौके पर ब्र.कु. सरिता बहन व ब्र.कु. बृजभान सिंह उपस्थित रहे।

हाथरस-उ.प्र.। नगर के प्रमुख समाजसेवियों की ओर से आयोजित श्री राम कथा में कथा वाचक जगतगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज को ब्रह्माकुमारीज़ के जिला कार्यालय 'तपस्या धाम' सेवाकेन्द्र की ओर से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. भावना बहन ने पटका व ईश्वरीय उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

फर्रुखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। माघ मेला श्री रामनगरिया पांचालघाट में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'चरित्र निर्माण, ग्राम विकास, व्यसन मुक्ति तथा महिला सशक्तिकरण' प्रदर्शनी का रिबन काटकर शुभारंभ करते हुए महर्षि स्वामी विद्यानन्द सरस्वती जी महाराज,अध्यात्म साधना पीठाधीश्वर,नैमीषारण्य, श्रीश्री 1008 जयदेवानन्द सरस्वती योगीराज महाराज,महामण्डलेश्वर,बद्रीधाम एवं श्रीश्री 108 महन्त स्वामी ईश्वरदास जी महाराज,पांचालघाट। साथ हैं ब्र.कु. मंजू बहन, ब्र.कु. सुरेश गोयल, ब्र.कु. रामनाथ भाई,माउण्ट आबू तथा अन्य।

सारंगपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में विश्व शांति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में निलेश वर्मा,नगर पालिका उपाध्यक्ष, राम बिलास यादव, महेश शर्मा, डॉ. आर्य, डॉ. जोशी, डॉ. शर्मा, महेश पाटीदार आदि अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् उनके साथ उपस्थित हैं ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी बहन।